SALTOC Project
Title: Madhumatī
Imprint: Udayapura: Rājasthāna Sāhitya Akādamī
OCLC: 3195624
Volume 48: no 8, August 2008

TOC Supplied By: Columbia University Libraries

मूल्य : दस रु.

मधुमती

अगस्त, २००८

राजस्थान साहित्य अकादमी, उदयपुर
www.lakesparadise.com/madhumati

अनुक्रमणिका

सम्पादकीय

- नामकरण / डॉ. अजित गुप्ता ५

लेख

- शताब्दी के अवसान पर हिन्दी कविता का परिवेश/ सुमन पलासिया ८
- संस्कृति, साहित्य और लिपि-संदर्भ राष्ट्रभाषा/ डॉ. मनोज पाण्डेय १४
- आदमी खरीदने वाली बाजारें / कमल किशोर श्रमिक १७
- जवाहरलाल का हिंदी-प्रेम / डॉ. चक्रधर नलिन २१
- इतिहास, राष्ट्रीय गौरव सिखाने का साधन है / राकेश शर्मा २३
- मीडिया से मिले नारी चेतना और विकास को नये आयाम / डॉ. दीपक आचार्य २७
- लोकगीतों के संरक्षण में आकाशवाणी की भूमिका / राजेन्द्र उपाध्याय २९
- वन्देमातरम् के रचयिता बंकिमचन्द्र / आचार्य भगवानदेव 'चैतन्य' ३१
- फिल्मों में साहित्यिक गीतकार : पं. भरत व्यास / किशनलाल पुरोहित ३४
- सही सोच का निर्माण / डॉ. नरेश ३६
- व्यक्तित्व : कवयित्री डॉ. सावित्री डागा / कुशलकरण साँचीहर ४०
- राजभाषा प्रशिक्षण : प्रगति के पथ पर / डॉ. के. मंजुला ४१
- साहित्य की सामाजिक भूमिका / हसन जमाल ४६

कविता

- दो कविताएँ / सत्यपाल भारद्वाज 'समीर' ४९
- दो कविताएँ / दिनेशचन्द्र शर्मा ५०
- माँ–पाँच कविताएँ / प्रीता भार्गव ५१
- दो कविताएँ / रमेश कुमार सोनी ५२
- दो कविताएँ / डॉ. भगवतीलाल व्यास ५३
- दो कविताएँ / सुरेशचन्द गुप्ता ५४
- दो कविताएँ / डॉ. प्रहलाद दुबे ५५

कहानी

- थोड़ी सी जगह / विमला भण्डारी ५६
- प्रायश्चित / हरीश कुमार 'अमित' ५९

- कुएँ में कूद / रश्मि बड़थ्वाल ६२
- शंकर की माँ / रमेश भोजक 'समीर' ६८
- फितरत/वही लोग / हरदर्शन सहगल ७०
- अपराधी / विजय कुलश्रेष्ठ ७५

गीत ग़ज़ल

- दो गीत / निर्मल शुक्ल ८१
- दो गीत / डॉ. विष्णु सक्सेना ८२
- चार गीत / मनोरमा पाण्डेय ८३
- तीन ग़ज़लें / दिनेश सिन्दल ८५
- दो ग़ज़लें / यासीन खाँ 'अख्तर' ८६
- तीन ग़ज़लें / गौरीशंकर आचार्य 'वरुण' ८७

लघुकथा

- भरोसा, साहस / जसविंदर शर्मा ८८

भाषान्तर

- मोम के पंख (पंजाबी कहानी)/ मू. श्री मेजर माँगट, अनु. घनश्याम रंजन ८९

साक्षात्कार

- श्री लीलाधर जगूड़ी से श्री ओम नागर की बातचीत ९५

नाटक

- कैदी चाचा / डॉ. विश्वनाथ शर्मा ९८

समीक्षा

- साँस-साँस वृन्दावन, अंतिम पड़ाव, नयी कविता : गिरिजाकुमार माथुर / डॉ. विद्या सागर शर्मा १०३
- धाँधलेश्वर / रवि पुरोहित १०७
- अभिलषिता, परत-दर-परत, कविता खत्म नही होती / श्याम महर्षि १०९

समाचार वीथी ११२

पाठक संवाद ११८